nt>
Title: Need to write off agricultural loans upto 50,000 to provide relief to the farmers in Jammu & Kashmir.

श्री चमन लाल गुप्त (ऊधमपुर) : सभापति महोदय, जब देवेगोड़ा जी प्राइम मिनिस्टर थे उस समय जम्मू-कश्मीर में उन्होंने एक पैकेज दिया था।

... (व्यवधान)

उस पैकेज के मुताबिक जितने इनतरजेंसी से प्रभावित थे, जिन्होंने सरकार से ५०,००० रूपए तक के कर्जे लिए थे वह उन्होंने माफ कर दिए थे। जो दुकानदारों ने कर्जे लिए थे उनके भी माफ कर दिए, शिकारे वाले ने जो कर्जा लिया हुआ था उसका भी माफ हो गया, इस प्रकार बहुत सारे लोगों के कर्जे माफ हो घए, परन्तु पता नहीं किसानों के कर्जे क्यों नहीं माफ हुए, जब कि किसान समाज की सबसे बड़ी रीढ़ की हड्डी है। उसने जो एग्रीकल्चर लोन लिया हुआ है वह उस पैकेज में नहीं आया।

महोदय, देश में जिन ५०० से ज्यादा किसानों ने कर्जे लिए हुए हैं उनमें से कई आत्महत्या कर चुके हैं, मेरी प्रार्थना है कि आगे इस तरह आत्महत्याएं न हों इसलिए बाकी लोगों पर जो एग्रीकल्चर लोन ५०,००० रूपए तक का है वह तुरंत माफ किया जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके।

...(व्यवधान)